राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
उच्चत्तर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान
पाठ: 22 - संप्रदायवाद जाति और आरक्षण
कार्यपत्रक– **22**

Q.1 सांप्रदायिकता और जातिवाद दोनों भारतीय राजनीति को प्रभावित कर रहे हैं , दिए गए बयान के संदर्भ में राजनीति पर सांप्रदायिकता और जातिवाद के प्रभावों को लिखिए।

Q.2 "सांप्रदायिकता को धर्म की रियासत के आधार पर एक प्रणाली के रूप में परिभाषित किया जा सकता है" इस कथन पर विचार व्यक्त करते हुए सांप्रदायिकता का अर्थ लिखिए ।

Q.3 "सांप्रदायिक हिंसा राष्ट्रीय अखंडता और सुरक्षा के लिए खतरा होती है", इस कथन के संदर्भ में सांप्रदायिक हिंसा से बचने के उपाय लिखिए ।

Q.4 "जाति व्यवस्था समाज में सामाजिक , आर्थिक असमानताओं को बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है" , दिए गए कथन की व्याख्या करते हुए भारतीय समाज में जाति व्यवस्था की भूमिका के विषय मे लिखिए।

Q.5 जाति एक स्थानीयकृत समूह है जिसका एक व्यवसाय के साथ पारंपरिक जुड़ाव है। दिए गए कथन के संदर्भ में निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

ए) भारतीय समाज में वर्ण-व्यवस्थ।

बी) **19**वीं सदी का सामाजिक-धार्मिक आंदोलन।

Q.6 जाति और राजनीति की अंतःक्रिया दो तरफा प्रक्रिया रही है, दिए गए कथन को अपने शब्दों में समझाइए।

Q.7 सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और पिछड़े वर्गों के पक्ष में संवैधानिक प्रावधान ने भारतीय राजनीति में जाति के मुद्दे को लाया है। दिए गए कथन के आलोक में निम्नलिखित का उत्तर दें:

ए) भारतीय राजनीति में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार की शुरुआत

बी) पिछड़े वर्ग के पक्ष में सुरक्षात्मक भेदभाव के लिए संवैधानिक प्रावधान।

Q.8 पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए संविधान निर्माताओं ने कुछ विशेष प्रावधान किए हैं , संविधान द्वारा किए गए प्रावधानों सूचीबद्ध करके अपने शब्दों मे लिखिए।

Q.9 भारतीय संविधान मे अनुसूचित जाति , अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए किए गए प्रावधानों को अपने शब्दों मे लिखिए।

Q.10 महिलाओं के लिए आरक्षण प्रावधान ने राजनीति और अन्य व्यवसायों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया है, जीवन के हर पहलू में महिलाओं की भागीदारी की वर्तमान स्थिति की व्याख्या करें।